RAMAKRISHNA MISSION

SHILLONG - 793 003

Language : Hindi | GROUP : B

Class : Vil -VIII | Time :

Date .

3.00 PM

स्वामी विवेकानन्द

वह, जो तुममें है और तुमसे परे भी,
जो सब के हाथो मे बैठकर काम करता है,
जो सब के पैरों में समाया हुआ चलता है,
जो तुम सब के घट में व्याप्त है,
उसीकी आराधना करो और
अन्य प्रतिमाओं को तोड़ दो।

जो एक साथ ही ऊँचे पर और नीचे भी है,
पापी और महात्मा, ईश्वर और निकृष्ट कीट,
एक साथ ही है,
उसीका पूजन करो -
जो दुश्यमान है,
ज्ञेय है,
सत्य है,
स्वव्यापी है,
अन्य सभी प्रतिमाओं को तोड़ दो।

जो अतीत जीवन से मुक्त,
भविष्य के जन्म-मरणों से परे है,
जिसमें हमारी स्थिति से परे है,
जिसमें हमारी स्थिति है
और जिसमें हम सदा स्थित रहेंगे,

उसीकी आराधना करो,
अन्य सभी प्रतिमाओ को तोड़ दो।

ओ विमूढ ! जाग्रत देवता की उपेक्षा मत कारे,
उसके अनन्त प्रतिबिम्बो से ही यह विश्र्व पूर्ण है।

काल्पनिक छायाओ के पीछे मत भागो,
जो तुम्हे विग्रहो मे डालती है;
उस परम प्रभु की उपासना करो,
जिसे सामने देख रहे हो;
अन्य सभी प्रतिमाएँ तोड़ दो !